Tea Garden Labourers in Assam

3192. Shri B. N. Shastri: Will the Minister of **Labour and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that quite a good number of Tea Garden Labourers in Silchar area in Assam are facing starvation due to non-payment of wages and ration by the management; and

(b) if so, the steps taken in this matter?

The Minister of Labour and Rehabilitation (Shri Hathi): (a) and (b). The matter falls in the State sphere.

Printing of Postal Forms in Tamil and non-Hindi Languages

3193. Shri Sezhiyan: Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether Government have considered any proposal to print money order forms and other post and telegraph forms in Tamil and other non-Hindi languages for the use of the people in the respective States; and

(b) if so, when the forms will be put to use?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) and (b). A proposal is under consideration to print, in the regional languages, such forms which are used only locally. The matter is being examined in consultation with the Printing and Stationery Department which is entrusted with the printing of the P&T. forms.

मध्य प्रदेश में टोकखुरद गांव में तारघर

3194. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के देवास जिले में टोकखुरद गांव की पंचायत ने वहां पर एक तारघर खोलने के लिये डाक तथा तार विभाग को आवेदन पत्र दिया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उस क्षेत्र के व्यापारियों को 20 मील तक तारघर न होने के कारण बहुत कठिनाई उठानी पड़ती है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ?

संसद्-कार्य तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री ई० कु० गुजराल) : (क) जी हां.

(ख) जी नहीं । टोकखुर्द से 11 मील की दूरी पर मोनसारा (जिला देवास) में एक तारघर है ।

(ग) टोकखुर्द के अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर को संयुक्त डाक-तार घर में बदलने के प्रस्ताव को, जिसमें फोनोकम की तार-सुविधाएं रहेंगी स्वीकृति दे दी गई है और तार लाइनें लगाने के अनिवार्य प्राक्कलन 12 जनवरी, 1967 को मंजूर कर लिये गए हैं। सामान की आम कमी के कारण कार्य को कार्यान्वित करने में देरी हो गई है । कार्य के इस वित्तीय वर्ष के दौरान पूरा हो जाने की आशा है ।

चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के लिये वर्दियां

3195. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तीसरी और चौथी श्रेणियों के कर्मचारियों को वर्दियां देने के लिये बाजार से खादी और जीन किस भाव पर खरीदी जाती है;

(ख) क्या यह सच है कि चौथी श्रेणी के कर्मचारियों को मिलने वाली खादी घटिया किस्म की होती है परन्तु वह सफेद जीन से महंगी होती है;